



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 15 फरवरी, 1958

HIMACHAL PRADESH ADMINISTRATION

ELECTION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Simla-4, the 12th February, 1958.

No. El. 8-107/57.—In continuation of Himachal Pradesh Administration Notification of even number, dated the 17th October, 1957 and in supersession of the then Himachal Pradesh Government Notification No. (8)L.58-23/49, dated the 9th November, 1949 and in exercise of the powers conferred by clauses (b) and (c) of sub-section (1) of section 240 of the Punjab Municipal Act, 1911, as applied to Himachal Pradesh the Lieutenant Governor, Himachal Pradesh, is pleased to make the following rules for the purpose of election of members of the Municipality of Chamba.—

RULES

1. The Municipality of Chamba shall be divided into eight wards as shown in the Schedule hereto annexed.
2. One member will be elected from each of the wards number I(A), II(B), III(C), IV(D), V(E), VI(F), VII(G) and VIII(H) by the registered voters of that ward.
3. Two members one of whom will be a member of Scheduled castes will be elected from ward No. II(B).

This Notification shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

SCHEDULE

No. and designation of ward	Name of ward	Description of ward
1	2	3
१. (ए)	जुलाकड़ी	१. सीमा ठीक उस स्थान से जहाँ कि जुलाकरी नाला झमवार मार्ग से मिलता है और उस स्थान तक जहाँ बही नाला रावी नदी के साथ मिलता है।

1

2

3

२. सीमा झमवार मार्ग के साथ-साथ वर्तमान सीमा चमंडा मंदिर के सतम्भ तक ।

३. सीमा चमंडा सतम्भ से लेकर नीचे पहाड़ी में से होती हुई दाईं ओर राईडिंग स्कूल की दीवार और बाईं ओर पोलिस विभाग की वर्कशाप के बीचों-बीच होती हुई उसी नाले और रावी नदी संगम तक ।

४. सीमा ठीक उसी स्थान से जहां यह नाला जो कि लगभग पी०डब्ल्यू०डी०, के कार्यालय के नीचे आता है और रावी नदी के साथ मिलता है, से ठीक रावी नदी के तट में से होती हुई उस स्थान तक जाती है जहां कि गुलाकरी नाला और रावी नदी का संगम है ।

२. (बी) थड़ोग

१. सीमा ठीक उस स्थान से जहां नाला पी०डब्ल्यू०डी०, के कार्यालय के नीचे रावी नदी के साथ मिलता है और नदी के तट के साथ होती हुई सीतला पुल तक जाती है ।

२. सीमा सीतला पुल से ऊपर की ओर आती हुई सड़क व भरी सिंह सराय के नीचे की ओर नदी के किनारे जिस को कि सूहटा बावली कहते हैं ; तक के सारे मकान आदि । वहां से फिर कर्जन रोड वाली सड़क के साथ २ चलती हुई जेल कम्पाउंड की जनूबी दीवार के साथ २ मशरक की ओर से ऊपर की तरफ होती हुई जीत सिंह और श्री प्यार दीन के मकानों को बीच में लेती हुई सीधी सीतला-सपड़ी रोड के साथ जा मिलती है । वहां से उसी सड़क के साथ २ होती हुई और एस० पी०, साहिब की कोठी के ऊपर से होती हुई बस स्टैंड के पास चम्बा भरमौर रोड के साथ जा मिलती है ।

३. सीमा बस स्टैंड से और चम्बा भरमौर के साथ-साथ उस स्थान तक जहां उसी सड़क पर पब्लिक नल लगा हुआ है और वहां से सीधे ऊपर की ओर होती हुई मोटर रोड के साथ जा मिलती है । वहां से दक्षिण की ओर घूमती हुई सीमा को काटती है जो चमंडा सतम्भ और पी०डब्ल्यू०डी०, ऑफिस के नीचे वाले नाले को परस्पर मिलाती है ।

३. (सी)

चौगान और कसाकड़ा

१. सीमा सपड़ी-सीतला रोड के उस स्थान से जहां जोगीपुरा की सीमा समाप्त होती है यानी श्री प्यार दीन आदि के मकानों को छोड़ती सीधी जेल की दक्षिण दीवार के साथ मिलती है । वही सीमा अहाता लकड़मंडी व जेल को साथ में लेती हुई पुल के समीप ही रावी नदी के साथ मिलती है ।

२. सीमा वहां से जहां प्यार दीन के मकान आदि हैं, से सीधी ऊपर को होती हुई सीतला-भटोल रोड के साथ मिलती है और वहां से सीधी उसी सड़क के साथ साथ स० गुर्बचन सिंह के मकान तक और वहां से चौगान की ओर जाती हुई बड़ी सड़क के साथ २ डाकखाने तक । डाकखाने से बाईं ओर धूम कर सीधी-सीधी डा० गुलाम नबी की दुकान तक जाती है ।

फ्री है। सीमा डा० गुलाम नबी की दुकान से पश्चिम की ओर मुड़ती

1

2

3

है यह सीमा निम्न निम्नलिखित:—

१. श्री प्रेम लाल
२. श्री मुन्शी राम
३. श्री काका राम
४. श्री तेज राम
५. श्री हरि चन्द
६. श्री रतन चन्द
७. श्री मंगत राम
८. श्री दुनी चन्द और श्री कर्म सिंह ।

मकानों को अपने साथ लेती हुई बाबू कर्म सिंह के मकान तक । फिर वहां से बड़ी सड़क पर पहुंच कर आगे दयाराम झा, श्याम सुन्दर और श्री विश्वा नाथ के मकानों को लेती हुई सीधी रावी नदी के साथ मिलती है ।

४. (डी) कश्मीरी

१. सीमा डा० गुलाम नबी की दुकान से पश्चिम की ओर बढ़ती है और निम्नलिखित:—

जो कि मुहल्ला चौगान में दिखलाये गये हैं मकानों को मुहल्ला चौगान में छोड़ती हुई बाबू कर्म सिंह के मकान तक, फिर वहां से बड़ी सड़क पर पहुंचती है और वहां से आगे दयाराम झा, श्याम सुन्दर तथा विश्वा नाथ के मकानों को मुहल्ला चौगान में छोड़ती हुई सीधी रावी नदी के साथ मिलती है ।

२. सीमा विश्वा नाथ के मकान के पीछे और रावी नदी के तट के साथ-साथ होती हुई भगोत तक जाती है ।

३. सीमा भगोत और साल नदी के तट के साथ २ और पक्के-अटाले वाली सड़क के साथ-साथ होती हुई नगर पालिका की हट्टी तक । वहां से ऊपर का सारा मुहल्ला, मिशन क्वार्टर तक सड़क के दायें-बायें श्याम सिंह हस्पताल तक के सब मकान आदि ।

वह सीमा हस्पताल की बड़ी सड़क के साथ मिलती है और फिर चौगान की ओर होती हुई और श्याम सिंह हस्पताल के आगे से होती हुई अजायब धर की ओर घूमती हुई और उसी सड़क के साथ २ गुलाम नबी की दुकान तक के सारे मकान, दुकानें तथा कार्यालय आदि ।

५. (ई) हटनाला तथा चरपट

१. सीमा ठीक उस स्थान से जहां कि डी०एम०ओ०, साहिब तथा डा० दीवान चन्द की कोठियां हैं से नीचे की ओर आती हुई उक्त कोठियों को अपने साथ लेती हुई हस्पताल के साथ गांधी मार्ग तक । गांधी मार्ग के साथ २ होती हुई यह सीमा रघुबीर चौक तक पहुंचती है ।

२. सीमा रघुबीर चौक से डोणरा बाजार वाली सड़क में से होती हुई तथा साधु सिंह आदि के मकानों को अपने साथ मिलाती हुई लक्ष्मी नारायण मंदिर में से होती हुई और सड़क के साथ बंसी गोपाल मार्ग में से होती हुई गर्ल्स स्कूल के नीचे लगे पब्लिक नल तक ।

३. सीमा पब्लिक नल से नीचे को जाती हुई सड़क के साथ २ हटनाला-जन्साली रोड को काटती हुई और श्री हीरालाल

मिस्त्री के मकान को साथ में लेती हुई सीधी साल नदी के तट तक जाती है ।

६. (एफ) जनसाली

१. सीमा गर्लज स्कूल के नीचे लगे पब्लिक नल से नीचे की ओर जाती हुई सड़क के साथ २ जनसाली-हटनाला रोड को काटती हुई और श्री हीरालाल मिस्त्री के मकान को छोड़ती हुई परन्तु उस के साथ २ सीधी साल नदी के साथ मिलती है ।
२. सीमा साल नदी के तट के साथ २ होती हुई उस स्थान तक जहां साल नदी और सरोथा नाला का संगम है । वहां से सीधी ऊपर की ओर भरयाट मंदिर तक जाती है और वहां से सीधी दाहिनी ओर मुड़ कर फायर हौज को साथ में लेती हुई सूही मठ तक जाती है ।
३. सीमा सूही मठ से सीधी नीचे की ओर आती हुई राजनीन के पास चौतड़ा वाली सड़क के साथ मिलती है ।
४. राजनीन के नीचे की ओर जाती हुई और डा० ज्ञान चन्द आदि के मकानों को साथ में लेती हुई और आगे ला० चतर सिंह आदि के मकान को साथ में लेती हुई मियां इन्द्र सिंह के मकान के पास वाली सड़क तक ।
५. सीमा मियां इन्द्र सिंह के मकान के पास वाली सड़क के साथ २ सफेद महल यानी जनाना महल और अंखाचडी महल को साथ में लेती हुई बंसी गोपाल के मंदिर तक जाती है । बंसीगोपाल के मंदिर से जाती हुई गर्लज स्कूल के नीचे लगे पब्लिक नल तक ।

७. (जी) ब्रनगोट

१. सीमा करांची हाँस से ऊपर की ओर जाती हुई सड़क जो कि डोगरा बाजार वाली सड़क के साथ-साथ श्री वासु देव दर्जी की दुकान तक । वहां से ऊपर सीधी शहर चीनी के बाग में से होती हुई उस दीवार तक जो जनाना महल और राजमाता के महलों में से होती हुई मियां इन्द्र सिंह के मकान तक जाती है ।
२. सीमा मियां इन्द्र सिंह के मकान से पूर्व की ओर जाती हुई और श्री चतर सिंह, डा० ज्ञान चन्द, ला० महन्त लाल आदि के मकानों को बाईं तरफ छोड़ती हुई श्री कंठ के मकान के साथ सड़क तक और वहां राजनीन के ऊपर की ओर जाती हुई मोटर रोड तक । मोटर रोड से फिर पश्चिम की ओर जा कर और नीचे की ओर होती हुई और रामसिंह हौज को छोड़ती हुई मेहर दत्त और सोहनलाल के मकानों के बीच में से होती हुई सड़क तक ।
३. सीमा उसी सड़क के साथ २ रंगमहल तक । वहां से नीचे की ओर जा कर और फिर बाईं ओर मुड़ कर चंडी दास के मकान तक । वहां से नीचे की ओर होती हुई और नील कंठ आदि के मकान को बाईं ओर छोड़ती हुई और धनेश्वरी तथा प्रेम लाल के मकानों के मध्य में से होती हुई सड़क तक ।
४. उसी सड़क के बाईं ओर मुड़ती हुई और श्री पूर्ण चन्द ओवसियर के मकान को साथ में लेती हुई नीचे की ओर

1 2 3

और प्रेम लाल कानूनगो के मकान को छोड़ती हुई और बोर्डिंग हाउस को अपने साथ लेती हुई और एस०डी०ओ०, इलेक्ट्रीशन की कोठी के ऊपर से और डी०सी० ऑफिस तथा सीनियर सब-जज की कोठियों के बीच में से होती हुई सपड़ी गेट तक ।

४. सीमा सपड़ी गेट से गांधी मार्ग के साथ २ होती हुई सीधी कराची हास तक ।

८. (एच) सपड़ी और सराड़ा

१. सीमा चमुंडा मंदिर के स्तम्भ से सूही मठ तक ।

२. सीमा सूही मठ से नीचे राम मिह हीज से होती हुई श्री सोहन लाल के मकान तक और फिर वहां से सीधी सड़क के साथ २ होती हुई रंगमहल तक । रंगमहल के नीचे वाली सड़क के साथ २ ला० नील कंठ के मकान तक । सीमा नील कंठ के मकान को साथ में लेती हुई और श्री चंडीदास पुरी के मकान को छोड़ती हुई नीचे की ओर जाती है और श्रीमती धनेश्वरी तथा प्रेम लाल के मकानों के साथ में से होती हुई सड़क नक जाती है ।

३. सीमा सड़क के साथ रतन हलवाई की दुकान तक । वहां से नीचे की ओर जाती हुई तथा प्रेम लाल कानूनगो के मकान को साथ में लेती हुई और गवर्नमेंट बोर्डिंग हाउस को छोड़ती हुई एस०डी०ओ०, इलेक्ट्रीशन की कोठी के ऊपर तक जाती है । उसी कोठी के ऊपर से होती हुई और डी०सी० ऑफिस तथा सीनियर सब-जज की कोठी के मध्य में से होती हुई सपड़ी गेट तक ।

४. सीमा सपड़ी गेट में से होती हुई बस स्टैंड तक और वहां से भरमौर रोड के साथ २ होता हुई श्री प्रताप सिंह के मकान के ऊपर पब्लिक नल से ऊपर की ओर और श्री ध्यान चन्द के मकान को साथ में लेती हुई चमुंडा स्तम्भ तक जाती है ।

By order,

P. C. SAXENA, I.A.S.,
Secretary.